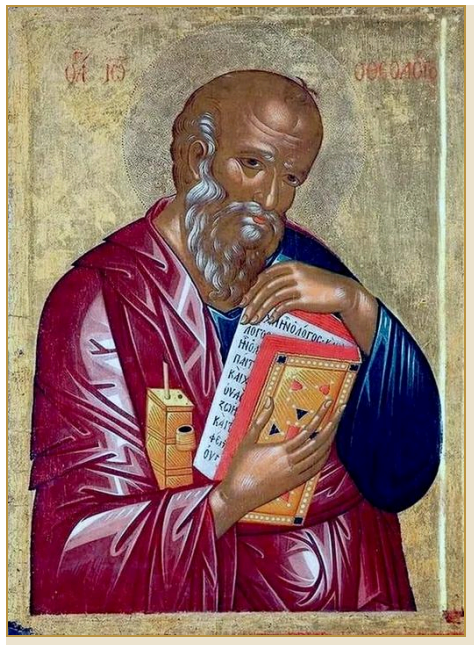




प्रेरितिक उत्तराधिकार

प्रेरित और सुसमाचार-लेखक संत यूहन्ना से वर्तमान समय तक

इस उत्तराधिकार-क्रम में

बिशप

GARLAND F. BYERS, JR., J.D., D.D.

जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन



1. संत यूहन्ना, प्रेरित और सुसमाचार-लेखक^{CO}

लगभग 30 ई. में मसीह द्वारा बुलाए गए

पवित्रशास्त्र में उल्लेख: अपने भाई याकूब के साथ, जब्दी के पुत्रों के रूप में, बुलाए गए (मत्ती 4:21-22); बारह प्रेरितों में नामित (मत्ती 10:2)

यह प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम लगभग 30 ई. में प्रेरित यूहन्ना से आरंभ होकर आज तक चला आता है –

2026 तक 1,996 वर्षों की अवधि।

बिशप-पद पर अभिषेक, एक से अगले को, नीचे नामित कलीसियाओं के माध्यम से किए गए।

इस उत्तराधिकार-क्रम के कुछ बिशप संतों के रूप में भी सम्मानित हैं। उनके नामों के पास दिए गए चिह्न केवल जीवन की पवित्रता से संबंधित हैं। वे किसी भी अभिषेक की वैधता पर कोई प्रभाव नहीं डालते: सूची में दिया गया प्रत्येक बिशप उत्तराधिकार में समान रूप से अपना स्थान रखता है, चाहे वह संत के रूप में सम्मानित हो या न हो।

संत संत: वह व्यक्ति जिसे कोई कलीसिया सार्वजनिक रूप से इस रूप में सम्मान देती है कि उसने वीरतापूर्ण पवित्रता का जीवन जिया और अब वह परमेश्वर के साथ है, और जिसकी स्मृति वह अपने पंचांग में रखती है। आरम्भिक कलीसिया में संतों को विश्वासियों और उनके बिशपों की सार्वजनिक स्वीकृति द्वारा मान्यता मिलती थी; बाद में, रोमन कैथोलिक कलीसिया में औपचारिक संत-घोषणा (canonization) द्वारा और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया में महिमाकरण (glorification) द्वारा।

धन्य धन्य: रोमन कैथोलिक कलीसिया में, वह व्यक्ति जिसे धन्य घोषित किया गया है (beatification); यह संत घोषित किए जाने से पहले का औपचारिक चरण है।

^C रोमन कैथोलिक कलीसिया द्वारा संत या धन्य के रूप में सम्मानित।

^{CO} रोमन कैथोलिक और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स दोनों कलीसियाओं द्वारा संत के रूप में सम्मानित।

लाल शहीद: वह जिसने विश्वास के लिए अपने प्राण दिए।

कौन संत है, इस पर कलीसियाएँ सदा सहमत नहीं होतीं। एक कलीसिया किसी ऐसे व्यक्ति को सम्मान दे सकती है जिसे दूसरी नहीं देती, और चिह्न दर्शाते हैं कि प्रत्येक को कौन-सी कलीसिया सम्मान देती है।

स्मरना

आसिया में स्मरना की कलीसिया, जिसके बिशप संत पॉलीकार्प प्रेरित यूहन्ना के चेले थे और प्रेरितों द्वारा नियुक्त किए गए थे।

2. **संत पॉलीकार्प^{CO} शहीद** लगभग 100

ल्योन

गॉल में ल्योन का पीठ, जिसकी स्थापना संत पोथिनुस ने की, जिन्हें संत पॉलीकार्प ने आसिया से भेजा था, और उनके बाद जिसका नेतृत्व संत इरेनियस ने किया, जो स्वयं भी संत पॉलीकार्प के शिष्य थे। इसके बिशप Aetherius उन लोगों में थे जिनसे पोप संत ग्रेगरी महान ने इंग्लैंड के मिशन पर जा रहे संत ऑगस्टीन की सिफारिश की थी।

3. **संत पोथिनुस^{CO} शहीद** दूसरी शताब्दी
4. **संत इरेनियस^{CO} शहीद** 177
5. **संत Zacharias^{CO}** लगभग 202
6. Helios तीसरी शताब्दी
7. **संत Faustinus^{CO}** 254
8. Verus तीसरी शताब्दी
9. Julius तीसरी शताब्दी
10. Ptolemaeus तीसरी शताब्दी
11. Vocius 314
12. Maximus चौथी शताब्दी
13. Tetradius चौथी शताब्दी
14. Verissimus 343
15. **संत Justus^{CO}** 374
16. **संत Albinus^{CO}** लगभग 390
17. **संत Martin^{CO}** चौथी शताब्दी
18. **संत Antiochus^{CO}** लगभग 400

19. **संत Elpidius^{CO}** लगभग 410
20. **संत Sicarius^{CO}** लगभग 422
21. **संत Eucherius^{CO}** लगभग 433
22. **संत Patiens^{CO}** लगभग 451
23. **संत Lupicinus^{CO}** 491
24. **संत Rusticus^{CO}** 494
25. **संत Stephanus^{CO}** 501
26. **संत Viventius^{CO}** 515
27. Eucherius II छठी शताब्दी
28. **संत Lupus^{CO}** 535
29. Leontius 542
30. **संत Sacerdos^{CO}** 549
31. **संत Nicetius^{CO}** 552
32. Priscus 573
33. Aetherius 586

कैंटरबरी

कैंटरबरी का पीठ, जिसकी स्थापना संत ऑगस्टीन ने की, जिन्हें गॉल में बिशप के रूप में अभिषिक्त किया गया था और जिन्हें पोप संत ग्रेगरी महान ने 597 में अंग्रेजों तक सुसमाचार पहुँचाने के लिए भेजा था।

34. **कैंटरबरी के संत ऑगस्टीन^{CO}** 597
35. **संत Laurence^{CO}** 604
36. **संत Mellitus^{CO}** 619
37. **संत Justus^{CO}** 624
38. **संत Honorius^{CO}** 627
39. **संत Deusdedit^{CO}** 655
40. **तरसुस के संत Theodore^{CO}** 668

41. संत Brihtwald ^{CO}	693	70. बेक के Theobald	1139
42. संत Tatwine ^{CO}	731	71. संत Thomas Becket ^C शहीद	1162
43. संत Nothelm ^{CO}	735	72. डोवर के Richard	1174
44. Cuthbert	740	73. फोर्ड के Baldwin	1185
45. संत Bregowine ^{CO}	759	74. Reginald Fitz Jocelin	1191
46. Jaenberht	766	75. Hubert Walter	1193
47. Æthelhard	793	76. Stephen Langton	1207
48. Wulfred	805	77. Richard le Grant	1229
49. Feologild	832	78. संत Edmund Rich ^C	1234
50. Ceolnoth	833	79. सेवॉय के धन्य Boniface ^C	1245
51. Æthelred	870	80. Robert Kilwardby	1273
52. Plegmund	890	81. John Peckham	1279
53. संत Athelm ^{CO}	914	82. Robert Winchelsey	1294
54. Wulfhelm	923	83. Walter Reynolds	1313
55. संत Oda ^{CO}	942	84. Simon Mephram	1328
56. संत Dunstan ^{CO}	960	85. John Stratford	1333
57. Æthelgar	988	86. Thomas Bradwardine	1349
58. Sigeric	990	87. Simon Islip	1349
59. Ælfric	995	88. Simon Langham	1366
60. संत Ælfheah ^{CO} शहीद	1006	89. William Whittlesey	1368
61. Lyfing	1013	90. Simon Sudbury	1375
62. Æthelnoth	1020	91. William Courtenay	1381
63. Eadsige	1038	92. Thomas Arundel	1396
64. ज्यूमिएज के Robert	1051	93. Henry Chichele	1414
65. Stigand	1052	94. John Stafford	1443
66. Lanfranc	1070	95. John Kemp	1452
67. संत Anselm ^C	1093	96. Thomas Bouchier	1454
68. Ralph d'Escures	1114	97. John Morton	1486
69. William de Corbeil	1123	98. Henry Deane	1501

99. William Warham	1503
100. Thomas Cranmer	1533

चर्च ऑफ़ इंग्लैंड

धर्मसुधार (Reformation) के बाद, चर्च ऑफ़ इंग्लैंड के बिशप, जिनमें से प्रत्येक को अपने से पहले सूचीबद्ध बिशप ने अभिषिक्त किया।

101. John Scory	1551
102. Matthew Parker	1559
103. Edmund Grindal	1559
104. John Whitgift	1577
105. Richard Bancroft	1597
106. George Abbot	1609
107. George Montaigne	1617
108. William Laud	1621
109. Brian Duppa	1638
110. Gilbert Sheldon	1660
111. Henry Compton	1674
112. William Sancroft	1678

113. Jonathan Trelawny	1685
114. John Potter	1715
115. Thomas Herring	1738
116. Frederick Cornwallis	1750
117. John Moore	1775

अमेरिका

William White से, जिन्हें 1787 में Lambeth Palace में संयुक्त राज्य अमेरिका की कलीसिया के लिए अभिषिक्त किया गया, उन बिशपों तक जिन्होंने यह उत्तराधिकार-क्रम आज तक आगे बढ़ाया है।

118. William White	1787
119. Benjamin Treadwell Onderdonk	1830
120. Samuel Allen McCoskry	1836
121. William Edward McLaren	1875
122. William Montgomery Brown	1898
123. Wallace David de Ortega Maxey	1927
124. Nils Bertil Alexander Persson	1986
125. Samuel Guido, Jr.	2004

126.

GARLAND F. BYERS, JR.

2013

कैंटरबरी की आर्चबिशप के साथ साझा उत्तराधिकार

कैंटरबरी की वर्तमान आर्चबिशप, सारा मुलाली (Sarah Mullally), और बिशप बायर्स संत यूहन्ना से लेकर Thomas Herring (1738 में अभिषिक्त; 1747–1757 तक कैंटरबरी के आर्चबिशप) तक एक ही प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम साझा करते हैं। आर्चबिशप Herring ने अपने ही हाथों से उन बिशपों को अभिषिक्त किया जिनसे दोनों क्रम निकलते हैं: आर्चबिशप मुलाली के क्रम में, 1748 में Robert Hay Drummond को; बिशप बायर्स के क्रम में, 1750 में Frederick Cornwallis को।

पवित्र दीक्षा

पुरोहित-अभिषेक

17 अगस्त 2008, हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel, पामर्टन, पेंसिल्वेनिया में।

बिशप-पद पर अभिषेक

20 अप्रैल 2013, पवित्र प्रभु-भोज के अनुष्ठान के दौरान हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel में, जिसकी सभा उस दिन American Legion Post 16, स्लैटिंगटन, पेंसिल्वेनिया में हुई थी।

प्रमुख अभिषेककर्ता

बिशप Samuel Guido, Jr.

सह-अभिषेककर्ता

बिशप Bradley A. Varvil

बिशप Michael Byus

बिशप James Thompson

सुसमाचार के सेवक के रूप में अभिषेक और बिशप-पद पर अभिषेक के प्रमाण-पत्र, बिशप-पद पर अभिषेक के छायाचित्रों सहित, [बिशप के विषय में](#) पृष्ठ पर प्रस्तुत हैं।

सेवा

20 अप्रैल 2013 को Lutheran Orthodox Church, Inc. के भीतर बिशप-पद पर अभिषेक, जिसमें उन्होंने बाद में Western North Carolina धर्मप्रांत के आर्चबिशप के रूप में सेवा की। बिशप बायर्स अब उस संस्था से संबद्ध नहीं हैं।

डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी (मानद, honoris causa), Lutheran Orthodox Church, Inc. द्वारा 20 अप्रैल 2013 को प्रदान की गई।



इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; [Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International \(CC BY-SA 4.0\)](#) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: [ebible.org/hin2017](#)। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।

धर्मविज्ञानी, पवित्र प्रेरित और सुसमाचार-लेखक यूहन्ना का आइकन, यूनान, लगभग 1500, धर्मविज्ञानी संत यूहन्ना का मठ, पतमुस। सार्वजनिक डोमेन,
[Wikimedia Commons](#) के माध्यम से।